मेरठ में दौड़ेगी देश की सबसे तेज और आधुनिक मेट्रो

प्रदीप द्विवेदी • जागरण

मेरठ: भारत के मेट्रो नेटवर्क में मेरठ अलग जगह बनाने जा रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी के 22 फरवरी को उद्घाटन करने के साथ यह उप्र का पांचवां ऐसा शहर बन जाएगा, जहां मेट्रो सेवा शुरू होगी। साथ ही कई कीर्तिमान देखेगा। मेरठ मेट्रो सेवा उसी पटरी और ढांचे का उपयोग करेगी, जो देश के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कारिडोर पर दौड़ने वाली सेमीहाई स्पीड (160 किमी प्रति घंटे) ट्रेन नमो भारत के लिए बनाया गया है।

135 किमी प्रति घंटे की डिजाइन स्पीड की बोगी व 120 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ मेरठ मेट्रो देश की सबसे तेज मेट्रो होगी। अब तक सबसे तेज गति दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की थी, जो 110 किमी प्रति घंटे है। इसकी पटरी की डिजाइन स्पीड 180 किमी प्रति घंटे है। देश के

- देश की प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम ट्रेन नमो भारत के लिए बनाए गए ट्रैक पर ही दौड़ेगी मेट्रो
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 फरवरी को नमो भारत के विस्तारीकरण के साथ मेट्रो का करेंगे शुभारंभ

मेरठ मेट्रो। सौ. एनसीआरटीसी

अन्य शहरों की मेट्रो पटरी की डिजाइन स्पीड 95 किमी प्रति घंटे है। ऐसे में मेरठ आदर्श माडल बनेगा।

मेरठ मेट्रो मेरठ दक्षिण स्टेशन से मोदीपुरम तक 23 किमी लंबे कारिडोर के सभी 13 स्टेशनों पर रुकते हुए लगभग 30 मिनट में यात्रा पूरी करेगी। चमकदार हरे, नीले और नारंगी रंगों वाले स्टेनलेस स्टील से तैयार कोच आधुनिक व हल्के हैं। तीन कोच वाली यह ट्रेन ऊर्जा की बचत करती है और रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। यानी ब्रेक से भी बिजली उत्पन्न करेगी। आटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन व आटोमेटिक ट्रेन आपरेशन तकनीक से युक्त होने के कारण यह बिना ड्राइवर के भी संचालित की जा सकती है। **सभी प्लेटफार्म पर पीएसडी :** प्रत्येक प्लेटफार्म पर प्लेटफार्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) लगाए गए हैं, जो मेट्रो ट्रेन के दरवाजों और सिग्नलिंग सिस्टम से जुड़े हैं। ट्रेन तभी चलेगी, जब पीएसडी और ट्रेन के दरवाजे दोनों पूरी तरह बंद होंगे। पीएसडी सिर्फ दिल्ली मेट्रो के कुछ स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। यह किसी यात्री के ट्रेन के आगे कूदने या गिर जाने जैसी घटना से बचाता है।

कुर्सी, लगेज रैक व ट्रैक है सबसे अलग

- मेरठ मेट्रो में बीच में गैलरी है और उसके दोनों तरफ दो-दो कतार से पूरे कोच में कुर्सियां हैं।
- प्रत्येक ट्रेन में 700 से अधिक यात्री सफर कर सकते हैं, जिनमें 173 बैठने की सीटें शामिल हैं।
- प्रत्येक कोच के ऊपर किनारे में लगेज रैक बनाई गई है। यात्री इसमें अपना सामान रख सकेंगे।
- व्हीलचेयर और स्ट्रेचर के लिए जगह दी गई है। स्टेशनों पर बड़ी लिफ्ट लगाई गई हैं, ताकि स्ट्रेचर आसानी से ट्रेन में ले जाया जा सके।

दिल्ली एयरपोर्ट लाइन मेट्रो व मेरठ मेट्रो में समानता

- मेरठ व दिल्ली एयरपोर्ट लाइन मेट्रो में बैठने के लिए कुर्सियां हैं।
- दोनों ट्रेनों की डिजाइन स्पीड 135 व अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे है। हालांकि एयरपोर्ट लाइन पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे पर ही मेट्रो दौड़ती है।

MAGZTER